<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 3646

24 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड और ओडिशा खनन निगम के बीच समझौता ज्ञापन

3646. श्री वि. विजयसाई रेड्डीः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि पश्चिम ओडिशा की गन्धमर्धन पहाड़ियों से राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के लिए कच्चा लोहा प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) और ओडिशा खनन निगम ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं;

(ख) यदि हां, तो इस समझौता ज्ञापन का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि यह अयस्क निम्न गुणवत्ता का है और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की गुणवत्ता संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए इसे बहुत अधिक सम्मिश्रित करने की आवश्यकता पड़ती है; और

(घ) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड अब एनएमडीसी की बैलाडिल्ला खानों से कितना अयस्क ले रहा है और ओडिशा से मिलने वाला अयस्क राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की अयस्क संबंधी आवश्यकतों में संतुलन बनाने के लिए किस हद तक सहायक है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): जी नहीं।

(ख) और (ग): प्रश्न नहीं उठता।

(घ): वर्ष 2018-19 के दौरान राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) की लगभग 10.26 मिलियन टन की आवश्यकता में से लगभग 8.07 मिलियन टन लौह अयस्क एनएमडीसी के बैलाडिला खानों से प्राप्त हुआ। आरआईएनएल ने लौह अयस्क की आपूर्ति के लिए एनएमडीसी के साथ दीर्घकालिक करार पर हस्ताक्षर किया है। आपूर्ति में होने वाली कमी को ओडिशा माइनिंग कॉरपोरेशन की दैतरी खानों से, कर्नाटक क्षेत्र और अन्य माध्यमों से ई-नीलामी/टेंडर रूट के द्वारा पूरा किया जाता है।

****